Skill Development Programme

For Answer Writing

Indian Society (Model Answer)

DATE : 10-April-2018 **TIME : 03:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- समकालीन भारत में जाति और राजनीति का संबंध एक गठबंधन की तरह है। ऐसे में 'राजनीति में जाति' एवं 'जाति में राजनीति' से आप क्या समझते हैं? टिप्पणी कीजिए।

(150 शब्द)

The relationship between casteism and politics is like an alliance in contemporary India. What do you understand by 'Politics in Casteism' and 'Casteism in Politics' in this context? Comment.
(150 Words)

MODEL ANSWER

उत्तर- जाति भारत की एक प्रमुख विशेषता है, जो सोपान पर आधारित ऊँच एवं नीच के क्रम में विद्यमान रही है। जाति ने भारतीय समाज के लगभग सभी पक्षों को प्रभावित किया है। इन पक्षों में राजनीति एक प्रमुख पक्ष रहा है।

राजनीति में जाति की भूमिका :

- विभिन्न चुनावी क्षेत्रों में राजनीतिक दलों द्वारा जातीय समीकरण के आधार पर अपना उम्मीदवार तय किया जाता है।
- सरकार गठन के समय विभिन्न जातीय समूहों को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने का प्रयास किया जाता है।
- जातीय राजनीति की शुरूआत ने कई राजनीतिक दलों के प्रति आम जनता में यह भाव उत्पन्न किया जाता है कि अमुख दल किसी जाति विशेष का प्रतिनिधित्व करता है।
- कई राजनीतिक दलों द्वारा चुनावों के समय वोटों की लामबंदी हेतु विभिन्न जातियों को उकसाने का प्रयास किया जाता है।

जाति में राजनीति की भूमिका :

- चूंकि प्रत्येक जाति खुद को बड़ा बनाना चाहती है। इसलिए पहले वह अपने समूह की जिन उपजातियों को छोटा और नीचा बताकर अपने से बाहर रखना चाहती थी, अब उन्हें एक लाकर संख्या बल प्राप्त करने की कोशिश करती है।
- एक जाति केवल अपनी संख्या बल से सत्ता पर कब्जा नहीं कर सकती। इसलिए वह ज्यादा राजनीतिक ताकत पाने के लिए दूसरी जातियों या समुदायों को साथ लेने की कोशिश करती है।
- समकालीन राजनीति में नए किस्म की जातिगत गोलबंदी भी हुई है, जैसे 'अगड़ा और पिछड़ा'।
- सार्वजनिक व्यस्क मताधिकार तथा एक व्यक्ति एक वोट की अवधारणा ने सभी मतदाताओं के वोटों को समान महत्व प्रदान कर निम्न जातियों में राजनीतिक चेतना के विकास को संभव बनाया है।
- चुनावी लाभ हेतु जातियों को राजनीतिक दलों द्वारा उकसाये जाने की घटना कभी-कभी जातीय संघर्ष का कारण बन, जातिगत समूहों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

इस प्रकार भारत में जाति एवं राजनीति के मध्य दोआयामी संबंध परिलक्षित होते हैं, जहां परस्पर दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *